

## लोथल में उत्खनन स्थल का धसाव

**स्रोत:** [हनिदुस्तान टाइम्स](#)

हाल ही में हड़प्पा स्थल लोथल में शोध उत्खनन के दौरान एक शोध छात्रा की उत्खनन स्थल पर मट्टि धसाव के कारण मृत्यु हो गई।

- लोथल का परिचय: गुजरात के भाल क्षेत्र में स्थित लोथल [हड़प्पा सभ्यता](#) के सबसे दक्षिणी स्थलों में से एक है।
  - ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण 2200 ई.पू. में हुआ था।
  - इसका उत्खनन वर्ष 1954 में एस.आर. राव ने की थी।
  - गुजराती में लोथल का अर्थ है “मृत्तकों का टीला”। (सिंधी में [मोहनजोदड़ो](#) का भी यही अर्थ है)।
  - यहाँ विश्व का सबसे प्राचीन ज्ञात गोदीवाड़ा था, जो शहर को साबरमती नदी के प्राचीन मार्ग से जोड़ती थी।
    - यह हड़प्पा सभ्यता का एकमात्र बंदरगाह शहर है।
  - [लोथल को अप्रैल 2014 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#) के रूप में नामित किया गया था।
  - लोथल में एक [राष्ट्रीय समुद्री वरिसत परिसर \(NHMC\)](#) विकसित किया जा रहा है।
- सुरकोटदा और धोलावीरा गुजरात के अन्य महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल हैं।

और पढ़ें: [लोथल: विश्व का सबसे प्राचीन ज्ञात गोदीवाड़ा](#)